



स्वयान कौके

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिटर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ७८ वि.सं. २०८३ कुँवार १८ गते आँट्वा

थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 04 October 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

सुदूरपश्चिममे बजेटविहीनता अन्त्य कैना माग

प्रहरीहे कुटपिटके आरोपमे तीन जाने पक्राउ

पहुरा समाचारवाता

धनगढी, १७ कुँवार । सुदूरपश्चिम प्रदेश ७८ दिनसे बजेटविहीन हुइल कहटी गैरसरकारी संस्था महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेशसे तत्काल बजेट लन्ना माग करल बा ।

महासंघके प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता देवीप्रसाद खनाल विज्ञप्ति जारी कैटी बजेटविहीनताके अवस्थासे प्रदेशके नियमित आर्थिक तथा प्रशासनिक गतिविधिमे असर परे लागल उल्लेख करल बा । प्रदेश सरकार मातहतके कर्मचारीसे दुई महिनासे तलब पाइ नैसेकल तथा विकास निर्माणके कामसमेत प्रभावित हुइना अवस्था सिर्जना हुइल महासंघके दावी रहल बा ।

महासंघसे बजेटविहीनताके अवस्था केवल राजनीतिक विवादके विषय नैहोके सवैधानिक ओ कानूनी जवाफदेहितासँग जोरल विषय हुइल



जनाइल बा । नेपालके संविधान तथा अन्तर-सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐनअनुसार प्रदेश सरकारसे आगामी आर्थिक बरसके राजस्व ओ व्ययके अनुमान असार १ गतेभिटर प्रदेश सभामे पेस करे पर्ना व्यवस्था रहल स्मरण करैटी महासंघले बजेट निर्माण, पेस ओ स्वीकृतिके प्रक्रिया अनिश्चितकालीन राजनीतिक गतिरोधके विषय नैबने पर्ना

जनाइल बा । सुदूरपश्चिम प्रदेश डोसरचो बजेटविहीन अवस्थामे पुगना सामान्य घटना नैरहल महासंघके कहाइ रहल बा । सरकार परिवर्तनके कारण बजेट शून्यताके अवस्था अइना प्रदेश सरकार, प्रदेशसभा, राजनीतिक दल तथा सम्बन्धित जनप्रतिनिधिके संस्थागत जवाफदेहिताउपर प्रश्न हुइल विज्ञप्तिमे उल्लेख रहल बा ।

बजेट निर्माण तथा योजना छनोटमे व्यक्तिगत, समूहगत वा राजनीतिक स्वार्थ हावी हुइल जनगुनासो समेत उठटी रहल कहटी महासंघसे योजना छनोटके आधार सार्वजनिक कैना माग करल बा । जनताके कर, राजस्व ओ सार्वजनिक स्रोतसे निर्माण हुइना बजेट कौनो व्यक्ति, गुट वा राजनीतिक स्वार्थ पूरा कैना माध्यम नैबने पर्ना महासंघ जनैले बा ।

बजेटमे थप ढिलाइ हुइबर आर्थिक बरसके बाँकी समय कम हुइटी जैना उहीसे विकास आयोजना कार्यान्वयन, पुँजीगत खर्च, सार्वजनिक खरिद तथा योजनाके गुणस्तरमे समेत असर पर्ना महासंघ जनैले बा । महासंघसे विलम्ब बजेट लन्ना प्रदेश सरकारसँग माग करले बा ।

पहुरा समाचारवाता

धनगढी, १७ कुँवार । कैलालीमे ड्यूटीमे रहल नेपाल प्रहरीउप्पर कुटपिट करल आरोपमे तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

बिपेक दुपहर भजनी नगरपालिका-३ ठेकीपुरचोकमे भारतसे मोटरसाइकलमे ल्यन्टी रहल अवैध सामान नियन्त्रणमे लेहे खोजेबर इलाका प्रहरी कार्यालय भजनीमे कार्यरत दुई जाने प्रहरीउप्पर कुटपिट करल आरोपमे ओइने पक्राउ करल प्रहरी जनैले बा ।

पक्राउ परइयामे भजनी नगरपालिका-३ पडरियाके लोकबहादुर

साउँद, धन्या साउद ओ गम्भीर साउद रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक(डीएसपी) योगेन्द्र तिमिल्सिना जानकारी डेलै ।

उहाँके अनुसार ओइने प्रहरी हवलदार विनयप्रसाद चौधरी ओ जवान देवराज जोशीउप्पर कुटपिट करल रहित । घाहिल दुनु जानेक भजनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रमे उपचार हुइटी रहल बा ।

डीएसपी तिमिल्सिनाके अनुसार ओइने सामान बोक्न प्रयोग करल से ४ प ११७१ ओ सु.प.प्र. ०१-०११ प ६४१ नम्बरके दुई मोटरसाइकल समेत नियन्त्रणमे लेहल बा ।

गौरीगंगामे बध्वाके खोजी

पहुरा समाचारवाता

धनगढी, १७ कुँवार । कैलालीके गौरीगंगा नगरपालिका-६, मोयास्थित भैरव महिला सामुदायिक बन्वामे बध्वाके आक्रमणसे एक पुरुषके मृत्यु हुइलपाछे वन क्षेत्रमे बध्वाके खोजी तथा निगरानी तीव्र पारल बा ।

बध्वाके आक्रमणसे गौरीगंगा नगरपालिका-६, चरीडाँडाके कृष्ण चौधरीके मृत्यु हुइलपाछे डिभिजन वन कार्यालय कैलाली ओ राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोष (एनटीएनसी)के टोली बन्वामे खोजी कार्य जारी रखले बा ।

डिभिजन वन कार्यालय कैलालीके वन अधिकृत रामअवतार चौधरीके अनुसार बध्वाके गतिविधि पत्ता लगैना गौरीगंगा क्षेत्रके जंगलमे क्यामेरा जडान

करल बा । एनटीएनसीके टोलीसमेत अनुसन्धानमे खटल जनाइल बा ।

अनुसन्धानके क्रममे दमौलिया क्षेत्रमे भेटल पाइलाके छाप बध्वाके रहल एनटीएनसीके विज्ञहूके पुष्टि करल चौधरी जानकारी डेलै । उहे आधारमे बध्वाके सम्भावित आवागमन क्षेत्र पहिचान कैटी खोजी तथा निगरानी आघे बहाइल बा ।

अनुसन्धान टोली बन्वामे रहीकेर बध्वाके गतिविधि हेरटी रहल जनाइल बा । बध्वाके अवस्थिति पत्ता लगाइक लाग ड्रोन क्यामेरासमेत प्रयोग हुइटी रहल वन अधिकृत चौधरी बटैले ।

बिफेक रोज सकारे बेम्टी खोजे बन्वामे गैल कृष्ण चौधरीउपर बध्वा आक्रमण करल रहे । सकारे करिब

५ बजे हुइल आक्रमणबारे ८:०५ बजे इलाका प्रहरी कार्यालय चौमालामे जानकारी पुगल रहे । ओकरपाछे प्रहरी टोली घटनास्थल पुगल रहे ।

घटनापाछे गौरीगंगा क्षेत्रके स्थानीयमे त्रास बहल बा । वन क्षेत्रमे बध्वाके गतिविधि डेखल ओरसे स्थानीयहे बन्वा प्रवेश करेबर विशेष सावधानी अपनैना आग्रह करल बा ।

वन कार्यालय ओ संरक्षणकर्मीके टोलीसे बध्वाके गतिविधि, आवागमन ओ सम्भावित बासस्थानबारे थप अनुसन्धान करटी रहल जनाइल बा ।

नवलपरासीमे यात्रुवाहक बस दुर्घटना



पहुरा समाचारवाता

नवलपरासी, १७ कुँवार । विनयी त्रिवेणी गाउँपालिका-२ एस मोडस्थित पूर्व-पश्चिम राजमार्गमे यात्रुवाहक बस दुर्घटना हुके ६ जानेक मृत्यु हुइल बा । कलेसे १० जाने घाहिल हुइल बटै ।

नेपालगञ्जसे काठमाडौं अइटी रहल प्रदेश-३-०१-००६ ख १५५३ नम्बरके बस चालकसे नियन्त्रण गुमाइबेर शनिचिचर विहान पौने ४ बजे सडकसे ढालामे पलटल हो । उ बसमे चालकसहित १८ जाने सवार रहलमे २ जाने भर सकुशल रहल बटै ।

दुर्घटनामे परके मृत्यु हुइलमे जिल्ला जाजरकोट, भेरीगंगा नगरपालिका-३ बैठना ५० वर्षीय निजुंड खत्री रहल बटै कलेसे

अन्य पाँच जाने मृतकके विवरण खुल बाँकी रहल बा ।

घाहिल हुइलमे गोरखाके हरिशरण थापा, अछामके तेजेन्द्र प्रसाद भण्डारी, बर्दियाके आकृति, सञ्जय थारु, लाल बहादुर कार्की, बाजुराके पवन बुढा, प्रेम बम, ललितपुरके अनोज खत्री, बाँकेके अस्लाम भगवान ओ सल्यानके अनिल बुढाथोकी रहल बटै ।

उ घटनाके खबर प्राप्त हुइटीकी प्रहरी निरीक्षक थमन सिंह रानाके कमाण्डमे खटल प्रहरी टोलीसे बसमे सवार घाहिलहुकनके उद्धार करके उपचारके लाग मध्यविन्दु प्रादेशिक अस्पताल, डण्डामे उपचार हुइटी रहल बा ।

विपद्को समयमा पर्न सक्ने मानसिक असरको न्यूनीकरण गरौं

- ❖ विपद्को समयमा डर, तनाव, चिन्ता, दुःख तथा असहज महसुस हुनु स्वाभाविक हो,
- ❖ आफन्त, साथीभाइ तथा समुदायसँग खुलेर कुराकानी गरौं,
- ❖ सुरक्षित स्थानमा बसौं, आफू र परिवारको सुरक्षालाई प्राथमिकता दिऔं,
- ❖ बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा असाहाय व्यक्तिलाई विशेष साथ, सहयोग र भरोसा दिने गरौं,
- ❖ नियमित खानपान, पर्याप्त आराम, निद्रा तथा दैनिक गतिविधिलाई सकेसम्म निरन्तरता दिने गरौं,
- ❖ विपद्को समयमा अफवाहमा विश्वास नगरी विश्वसनीय स्रोतबाट मात्र सूचना लिने गरौं,
- ❖ अत्यधिक तनाव, डर वा मानसिक असहजता रहिरहेमा स्वास्थ्यकर्मीसँग परामर्श लिऔं ।

विपद्को समयमा एक-आपसमा मनोबल बढाऔं,

मानसिक स्वास्थ्य जोगाऔं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुविधा सम्पन्न सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक



Advanced Healthcare for all...
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

- | | | | |
|---|---|--|--|
| जनरल फिजिसियन
(पेट, छाती, मुटु) रोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | रेडियोलोजी विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | न्युरो, गस्त्रिक, नशा
तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स
फिजियोथेरापिस्ट
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस |
| हाडजोर्नी तथा
नशारील विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | जनरल तथा
ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | स्त्री तथा प्रसुति
रोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | नवजात शिशु तथा
बालरोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस |
| नाक, कान, घाँटी तथा
थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | एनेस्थेसिया तथा
क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | मुख, अगुहार तथा
बुझारा विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | मानसिक तथा
नशा रोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस |
| छाला, यौन, कुष्ठरोग
तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | मृगौला तथा मुत्ररोग
विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | मुटु रोग विशेषज्ञ
केटो सतक: पिलास २ बोटिनी बेल्फो ४ बजेरुस | |

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुढा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

च्याउ खेतीके नैहुइठ बिमा



गुल्मी, १७ कुँवार । जापानसे आके १० वर्षसे कृषि कर्ममे सक्रिय भलामीके च्याउ खेतीसे छुटे पहिचान बनल बा । दुःख करल हातसे च्याउ टुरे नैपाके रेसुंगा नगरपालिका-८ के ४४ वर्षीय कमला भलामीहे एकडम पीडा फेन बा । भलामी अब्बे दैनिक न्यूनतम दुई सयसे ढेरमे एक हजार किलो च्याउ बेचन मने बिमा कम्पनीसे च्याउके बिमा नैकैके कमलाके सपना बर्सनि भरी ओ हरिबताससँगै उरना करल बा । भर्खरके मनसुनसे अर्घाखाँचीके छत्रदेव गाउँपालिका-७, काउलेके फर्मके टनेल हावासे उराइलपाछे चार हजार च्याउके बल नष्ट हुइल बा । हावासे टनेल उराइलपाछे टिप्न बेलाके च्याउ नष्ट हुइल ।

भलामीके फर्ममे १६ ठो उत्पादन हुइल ओ दुई ठो व्यवस्थापकीय टनेल रहे । चार ठो टनेल नष्ट हुइलपाछे उत्पादनसहित करिब २० लाख रुपियाँ घाटा लागल भलामी दाबी करलै ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ देवहरिया स्थित किता नं. ८१८ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लक्ष्मी पुरी गिरिले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिकोषसानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिकोषसानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: जमुना चौधरी, जुगराम चौधरी
पश्चिम: सडक
उत्तर: लोकराज ओझा
दक्षिण: भागिराम चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बना सक्नु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके ।

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ गुण्मे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथै फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथै दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक् सिकाह विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लम्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिकके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपननेके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्ति, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

विपत्ति पाछेक अर्थतन्त्र

प्राकृतिक विपत्ति आइलबेला पहिल क्षति मानवीय जीवनमे डेखाइठ, ओकरपाछे भौतिक संरचनामबा । यकर वास्तविक असर भर उहिनसे ढेर डुरसम पुगठ । एक पुल भसकके एक संरचना किल नैढरकठ, बजारसँगके सम्बन्ध टुटठ । सडक अवरुद्ध होके उत्पादन थन्कठ, रोजगारी प्रभावित हुइठ ओ राज्यके राजस्व घटठ । विद्युत् आयोजना क्षतिग्रस्त होके उत्पादन, उद्योग, लगानी ओ व्यापारमे समेत असर परठ । यी अर्थमे प्राकृतिक विपत्ति अन्ततः आर्थिक विपत्ति फेन हो । हाले त्रिशूली ओ भोटेकोशी नदी क्षेत्रमे डेखाइल विनाश तथा हिमाली क्षेत्रमे रहल भौगर्भिक घटनासे नेपालहे यिहे कठोर यथार्थसँग पुनः साक्षात्कार करैले बा । घर, बस्ती, सडक, पुल, विद्युत् आयोजना, व्यापारिक मार्ग ओ उत्पादनके संरचनामे पुगल क्षतिसे तत्कालीन राहत ओ उद्धारसँगै दीर्घकालीन आर्थिक पुनरुत्थानके प्रश्नसमेत उठाइल बा । विपत्तिके प्रत्यक्ष क्षति कुछ समयपाछे डेखाइ छोरलेसे फेन ओकर आर्थिक असर बर्सौसम रहे सेकि । आबके चुनौती क्षतिग्रस्त संरचना पुनर्निर्माण करना किल नाइहो उसँगै प्रभावित परिवारके रोजगारी, उत्पादन, व्यापार ओ आयहे पुनर्स्थापित करना हो । टबेभारे विपत्तिपाछेक अर्थतन्त्रहे कैसिक आघे बहैना कना विषयमे सरकारके निर्णय दूरगामी महत्वके रहठ ।

राहतपाछे पुनरुत्थान

विपत्तिपाछे सरकारके पहिल दायित्व नागरिकके जीवन रक्षा हो । उद्धार, खाद्यान्न, खानेपानी, औषधी, अस्थायी आवास ओ सुरक्षाके व्यवस्था तत्काल हुइ परठ । प्रभावित परिवारहे राज्यसे साथ डेहल अनुभूति दिवैना फेन ओत्रे आवश्यक बा । संकटके समयमे राज्यके उपस्थिति कमजोर हुइ कलेसे नागरिकमे असुरक्षा ओ निराशा बहे सेकि मने राहत ओ पुनरुत्थान एक विषय नाइहो । राहतसे नागरिकहे तत्काल संकटसे जोगाइ कलेसे पुनरुत्थानसे ओकर आर्थिक जीवनहे पुनः गतिशील बनाइठ । ओस्टेक विपत्तिपाछेक रणनीति राहतमे किल सीमित हुइ नैपरठ । राहतपाछे पुनर्स्थापना, पुनर्निर्माण ओ आर्थिक पुनरुत्थानके स्पष्ट चरणबद्ध योजना आवश्यक रहठ । यी क्रममे स्थानीय समुदायके आवश्यकता ओ सहभागिताहे फेन प्राथमिकता डेहे परठ । केन्द्रसे बनाइल एक ढाँचाके कार्यक्रम सब प्रभावित क्षेत्रके लाग समान रूपमे प्रभावकारी नैहुइ सेकि । भौगोलिक अवस्था, स्थानीय उत्पादन, रोजगारीको प्रकृति ओ जोखिमके स्तर अनुसार पुनर्स्थापनाके योजना फरक हुइ सेकि ।

लोकप्रिय निर्णयके सीमा

विपत्तिके समयमे प्रभावित नागरिकहे तत्काल सहायता डेना सरकारउपर दबाब रहठ । नगद सहायता, ऋण मिनाहा, कर छुट वा टमान राहत कार्यक्रम घोषणा कैके तत्काल सकारात्मक प्रतिक्रिया आइ

सेकठ मने राज्यके आर्थिक स्रोत असीमित नैरहठ । विपत्तिसे कमजोर बनाइल अर्थतन्त्रमे अनुत्पादक खर्च थपके सार्वजनिक ऋण, राजस्व ओ विकास बजेटमे दबाब परे सेकठ । ओस्टेक राहतमे उदारता आवश्यक रलेसे फेन आर्थिक निर्णयमे अनुशासन अपरिहार्य रहठ । लोकप्रिय निर्णयके औरे जोखिम स्रोतके गलत प्राथमिकता हो । राजनीतिक दबाब वा सार्वजनिक आकर्षणके कारण आवश्यकतासे ढेर स्रोत कौनो फेन क्षेत्रमे केन्द्रित हुइ कलेसे ढेर जोखिममे रहलेसे फेन कम राजनीतिक पहुँच रहल क्षेत्र उपेक्षित हुइ सेकि । यिहिनसे समानता बहे सेकठ । यकर अर्थ पीडितहे सहयोग नैकरना नाइहो । वास्तविक रूपमे प्रभावित परिवार, व्यवसाय ओ

रोजगारी गुम्न, पर्यटकके आवागमन प्रभावित हुइठ ओ सरकारके राजस्व घटन फेन ओकर आर्थिक मूल्य हो । टबेभारे विपत्तिके क्षति मूल्यांकन कैके प्रत्यक्ष क्षतिसँगै अप्रत्यक्ष ओ अवसरगत क्षतिके समेत गणना आवश्यक रहठ ।

पुनर्निर्माणमे आर्थिक अवसर

विपत्ति संकट हो मने विवेकपूर्ण पुनर्निर्माणसे अर्थतन्त्रहे पुनः गतिशील बनैना अवसर फेन डेहे सेकि । सडक, पुल, आवास, विद्युत् तथा सार्वजनिक संरचनाके पुनर्निर्माणसे निर्माण सामग्री, ढुवानी, श्रम, प्राविधिक सेवा ओ वित्तीय सेवाके माग बहाइठ । यिहिनसे रोजगारी सिजना करना ओ बजारमे आर्थिक गतिविधि बहाइसेकि । स्थानीय स्रोत, श्रम ओ सिपके प्रयोगहे प्राथमिकता डेजाइ कलेसे पुनर्निर्माणके

विपत्तिके असर निजी क्षेत्रमे फेन तत्काल परठ । सडक बन्द होके कच्चा पदार्थके आपूर्ति रोकठ, उत्पादन घटठ, बजारसम वस्तु पुगे नैसेकठ ओ व्यवसायके नगद प्रवाहमे समस्या आइठ । यिहिनसे बैकके ऋण भुक्तानी ओ रोजगारीमे समेत असर पारे सेकि । अइसिन अवस्थामे निजी क्षेत्रहे बेवास्ता कैके आर्थिक पुनरुत्थान सम्भव नैरहठ । उत्पादनशील उद्योग तथा व्यवसाय सञ्चालनमे आइ नैसेकि कलेसे रोजगारी, राजस्व ओ आपूर्ति प्रणाली सब प्रभावित हुइठ । टबेभारे वास्तविक क्षति हुइल उत्पादनशील उद्योग तथा व्यवसायलक्षित कर्जा पुनर्संरचना, ब्याज सहूलियत, बिमा दाबीके शीघ्र भुक्तानी ओ आवश्यक कर सुविधा उपलब्ध कराइ परठ । सरकारसे निजी क्षेत्रहे केवल राहतके प्राप्तकर्ता नाइहो, आर्थिक पुनरुत्थानके साभेदारके रूपमे हेरे परठ ।

उत्पादनशील क्षेत्रहे लक्षित सहयोग उपलब्ध करैना सबहे समान छुट डेनासे प्रभावकारी रहठ ।

प्राथमिकतामे पुनर्निर्माण

विपत्तिसे क्षतिग्रस्त सब संरचना एक चो निर्माण करना प्रयास व्यवहारतः सम्भव नैरहठ । सीमित स्रोतहे उच्च प्राथमिकताके क्षेत्रमे केन्द्रित करे परठ । मनैके जीवनसँग प्रत्यक्ष सम्बन्ध रहल स्वास्थ्य संस्था, खानेपानी, विद्यालय तथा सुरक्षित आवास प्राथमिकतामे परे परठ । ओकरपाछे उत्पादन ओ बजारहे जोरना सडक तथा पुल, विद्युत् प्रसारण संरचना, व्यापारिक मार्ग ओ अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक पूर्वाधार पुनः सञ्चालन करे परठ । पुनर्निर्माणके प्राथमिकता राजनीतिक पहुँच वा तत्काल डेखैना लोकप्रियताके आधारमे नाइहो, सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिफलके आधारमे निर्धारण हुइ परठ । कौनो परियोजनासे कत्रा नागरिकहे लाभ पुगाइठ, कत्रा आर्थिक गतिविधि पुनः सञ्चालन हुइल ओ भविष्यके जोखिम कत्रा घटाइठ कना आधारमे लगानीके क्रम निर्धारण करे परठ । कौनो सडक भस्मलेसे ओकर मर्मत खर्च किल क्षति नैरहठ । किसानके उत्पादन बजार पुगे नैसेकन, उद्योगके कच्चा पदार्थ रोकना, श्रमिकके

प्रतिफल स्थानीय अर्थतन्त्रमे ढेर रहे सेकि । यिहिनसे प्रभावित परिवारहे सहायता पैना किल नाइहो, अपन क्षेत्रमे आय आर्जन करना अवसरसमेत डेहठ मने पुनर्निर्माणके खर्च उत्पादनशील क्षेत्रमे पुरि । राजनीतिक दबाब, पहुँच वा तत्काल लोकप्रियताके आधारमे परियोजना छनोट करना हो कलेसे भारी सार्वजनिक खर्च रलेसे फेन ओकर दीर्घकालीन आर्थिक प्रतिफल कमजोर हुइ सेकि ।

सुरक्षित पूर्वाधारके नयाँ सोच

हालके विपत्तिसे नेपालके पूर्वाधार निर्माणके पुरान शैलीउपर गम्भीर प्रश्न उठैले बा । विगतमे जहाँ बाढ आइल रहे, ओहे आधारमे किल भविष्यके संरचना निर्माण करना सोच आब पर्याप्त नैरहठ । जलवायु परिवर्तन, हिमाली भूगोल, नदीके बदलटि बहाब, बाढ, पहिरो तथा अन्य प्राकृतिक जोखिमहे पूर्वाधार योजनाके सुरुसे समोटे परठ । भस्मकल संरचना जस्के टस बनैना पुनर्निर्माण नाइहो । भविष्यके जोखिमहे ध्यानमे ढरना और सुरक्षित ओ टिकाउ संरचना निर्माण करना वास्तविक पुनर्निर्माण हो । यकर लाग भूगर्भीय अध्ययन, वातावरणीय मूल्यांकन ओ जोखिम नक्सांकनहे औपचारिक प्रक्रियाके रूपमे किल

विचार डा. श्रीमणिराज खनाल

नाइहो निर्णयके आधारके रूपमे प्रयोग करे परठ । विशेष कैके जलविद्युत् आयोजनाके हकमे जोखिम मूल्यांकनहे और गम्भीर बनाइ परठ । नेपालसे जलविद्युत्हे आर्थिक विकासके प्रमुख आधार बनैना हो कलेसे आयोजना निर्माणपूर्व बाढ, पहिरो, हिमताल तथा हिमनदीजन्य जोखिमके पर्याप्त अध्ययन आवश्यक बा । सञ्चालनमे रहल आयोजनाके फेन समयानुकूल जोखिम परीक्षण हुइ परठ । जलविद्युत् नेपालके आर्थिक मेरुदण्ड बनना हो कलेसे उ विपत्तिसँग जुधे सेवना मेरुदण्ड फेन हुइ परठ ।

निजी क्षेत्रहे भरोसा

विपत्तिके असर निजी क्षेत्रमे फेन तत्काल परठ । सडक बन्द होके कच्चा पदार्थके आपूर्ति रोकठ, उत्पादन घटठ, बजारसम वस्तु पुगे नैसेकठ ओ व्यवसायके नगद प्रवाहमे समस्या आइठ । यिहिनसे बैकके ऋण भुक्तानी ओ रोजगारीमे समेत असर पारे सेकि । अइसिन अवस्थामे निजी क्षेत्रहे बेवास्ता कैके आर्थिक पुनरुत्थान सम्भव नैरहठ । उत्पादनशील उद्योग तथा व्यवसाय सञ्चालनमे आइ नैसेकि कलेसे रोजगारी, राजस्व ओ आपूर्ति प्रणाली सब प्रभावित हुइठ । टबेभारे वास्तविक क्षति हुइल उत्पादनशील उद्योग तथा व्यवसायलक्षित कर्जा पुनर्संरचना, ब्याज सहूलियत, बिमा दाबीके शीघ्र भुक्तानी ओ आवश्यक कर सुविधा उपलब्ध कराइ परठ । सरकारसे निजी क्षेत्रहे केवल राहतके प्राप्तकर्ता नाइहो, आर्थिक पुनरुत्थानके साभेदारके रूपमे हेरे परठ ।

पुनर्निर्माणके वित्तीय आधार

भारी विपत्तिपाछेक पुनर्निर्माण नियमित बजेटसे किल सम्भव नैहुइ सेकि । टबेभारे विकास साभेदार, जलवायु वित्त, अनुदान, सहूलियतपूर्ण ऋण, बिमा तथा निजी पूँजीहे समन्वित रूपमे परिचालन करना आवश्यक बा । जलवायु परिवर्तनके असमान प्रभाव भोगल हिमाली मुलुकक रूपमे नेपालसे अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसँग सहयोग मागके जलवायु न्यायके विषयहे प्रभावकारी रूपमे उठाइ परठ मने बाहुय सहयोग प्राप्त करना किल उपलब्धि नाइहो । प्राप्त स्रोत पारदर्शी, जवाफदेही ओ उत्पादनशील ढंगसे उपयोग करना ओत्रे महत्वपूर्ण बा । हरेक विपत्तिपाछे विकास बजेट काटके राहत व्यवस्थापन करना परम्परा अन्य करना फेन स्थायी वित्तीय संयन्त्र आवश्यक बा । विपत् कोषसँगै आकस्मिक वित्तीय स्रोत, बिमा, पुनर्बिमा तथा अन्य जोखिम व्यवस्थापनके उपायहे संस्थागत करे परठ । यकर साथे विपत्तिपूर्व जोखिमके आर्थिक मूल्यांकन ओ सम्भावित क्षतिके वित्तीय योजना तयार करना अभ्यास आवश्यक बा । अइसिन करे सेक्लेसे विपत्ति आइलपाछे (बाँकी ३ पेजमे)

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक: हमार यहाँ बोडलर मुर्गिनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देह्वी । नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा । प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल कैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उर्माव लगे मो. ९८११६३५६८० एक्वलेन्स नम्बर ९८२४६८९६७८, ९८५८४३७०१८, ९८१४६८०८५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६६८०२५ प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१४०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१४०,११०	इपिका अतरीया ०९१-४२९०९२ जिनागर प्रहरी चौकी ०९१-४२९१८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१४३ इपिका मसुरिया ०९१-४०२०१४ इपिका मौलाला ०९१-६९२४७१ इपिका लम्की ०९१-४४०१९९ इपिका मजनी ०९१-४८०१९९ इपिका सुखड ०९१-४२९१६६ इपिका मालाखेली ०९१-४४०१९२ इपिका फल्टुरे ०९१-६९०३३० इपिका हसुलिया ०९१-४२९१४४ इपिका पाण्डौन १०४९०१४९०४ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६ इपिका टीकापुर ०९१-४६०१९९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८ बैक नेपाल राष्‍ट्र बैक ०९१-२९३२२ नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३ कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४ मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८ बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६ बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०	नेपाल बगलादेश बैक ०९१-४२९७८५ सिटीजन बैक ०९१-४२७४८५ कुमारी बैक ०९१-४२६०३८ सगरमाथा बैक ०९१-४२७८४० नेपाल इन्‍व्‍समेन्‍ट बैक०९१-४२३७०६ एनएमबी बैक लि.०९१-४२९२९६ सरकारी कार्यालय अस्पताल जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९१०१ जिला विकास .०९१-४३२४६० नगरपालिका .०९१-४२९४२९ मालपोत.०९१-४२९२०१, लापी शाखा.०९१-४६०४०२ कृषि विकास .०९१-४२२२४५, मुगु सुधार.०९१-४२९२४२ एनएमबी बैक लि.०९१-४२९२९६ जिल्ला हुलाक.०९१-४२९१४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६५ सेटी अञ्चल.०९१-४२९२७१ नवजिवन ०९१- ४२९२३३/४२९७३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४ पदमा धनगढी ०९१-४४०३४५ सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४४०७१७ एक्वलेन्स मसुरिया १०४९०१४०८१९ घोडाखोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७ टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०	दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-४२९३३३ कैलाली उ.बा.संघ ४२९२३७, ४२९१७१ एक्वलेन्स : ४२९६०० सामुदायिक एक्वलेन्स सेवा टीकापुर ९८४६४४७४० विद्युत : ४२९१४४ दिनेश मेडल ०९१-४२९३९२ होटल डिजिटी ०९१-४२३९१८/४२९३९१ जगदम्बा०९१-४२३४१०, विद्या०९१-४२३२३३ तरुण ०९१-४२६९९३, सनलाईट०९१-४२९४३६ बल्ड लिंक धनगढी:४२०१४१ नागुलाज०९१-४२२८३०/४२९१९० नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७९२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९२३३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९९२ ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९०७९ राजनैतिक पार्टी नेपाली कमिंस कार्यालय : ४२४९१४ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२९०१० बसपाई काउन्टर धनगढी : ०९१-४२९२४२ एच.एम दिनेश एच.एम ९३.८ मेगाहुज धनगढी: ०९१-४२६७०१
--	--	--	--

सन्चो उत्पादन ठप्प, फैसला कार्यान्वयनमे विवाद

काठमाडौं, १७ कुँवार । जार (चिसो) मौसममे रूखाको, मपार तथा शरीर पिरैलेसे प्रयोग करना नेपाली उत्पादन 'सन्चो' बजारमे परिचित जडीबुटीजन्य उत्पादन हो । सन्चोके माग चौतर्फी मजा रलेसे फेन उत्पादन करना जडीबुटी उत्पादन तथा प्रशोधन कम्पनी लिमिटेड अब्बे श्रमिकके सेवा-सुविधासम्बन्धी विवादके चपेटामे बा ।

श्रम अदालतके फैसला कार्यान्वयन, सामाजिक सुरक्षा, चाडपर्व भत्तालगायत सेवा-सुविधाके माग करटि मासिक ज्यालादारी श्रमिक आन्दोलनमे उत्रलओरसे असोज ५ गतेसे सन्चोके उत्पादन ठप्प हुइल हो ।

एकओर २०८१ चैत १५ गते हुइल तत्कालीन राजाबादी आन्दोलनके कारण आगलागीसे क्षतिग्रस्त संरचना ओ मेसिन पूर्ण रूपमे पुनःस्थापना नैहुइल अवस्था बा । औरैओर उत्पादनके मुख्य आधार मानल श्रमिक सेवा-सुविधाके माग लेके धनार्थ रहलओरसे कम्पनी उत्पादन निरन्तरताके औरै चुनौती सामना करे परल बा ।

नेपाल सरकारके स्वामित्वमे रहल जडीबुटी उत्पादन तथा प्रशोधन कम्पनी लिमिटेडसे जडीबुटी तथा सुगन्धित वनस्पतिके उत्पादन, संकलन ओ प्रशोधन



कैके टमान वस्तु बजारमे पठैटि आइल बा । सन्चोसहित सन्चो बाम, हिमालयन मसाज आयल, जटा केश तेल, शिलाजितलगायत उत्पादन कम्पनीके प्रमुख उत्पादनमे परठ । सन्चो कम्पनीके सबसे चिन्हल उत्पादनमध्ये यी एक हो ।

फैसला कार्यान्वयनमे विवाद

आन्दोलनरत श्रमिक सजना नेपालके अनुसार अब्बेक विवाद एकफाले सिर्जना हुइल नैहो । सेवा-सुविधाके विषयमे लम्मा समयसे कम्पनी व्यवस्थापनसँग छलफल तथा पत्राचार हुइले ओ अन्ततः श्रम कार्यालय तथा श्रम अदालतसम पुगल बटाइल बा ।

श्रमिकसे पाइपरना सेवा-सुविधाके विषयमे श्रम तथा रोजगार कार्यालयमे उजुरी करलपाछे २०८० जेठ ४ गते

श्रमिकके पक्षमे निर्णय हुइल रहे । उविरुद्ध व्यवस्थापन श्रम अदालत पुगल ओ श्रम अदालत फेन २०८१ जेठमे श्रमिकके पक्षमे फैसला करल नेपालके कहाइ बा ।

“हमार माग आजसे उठल नाइहो, २०७७ सालसे सेवा-सुविधाके विषय उठैटि आइल बटि । श्रम कार्यालय हुइटि अदालतसम पुगल । अदालतसे फेन हमार पक्षमे फैसला हुइल । मने सब सुविधा कार्यान्वयन नैहुइल” सजना नेपाल कलै ।

जीवनके लम्मा समय यिहे कम्पनीमे श्रम ओ पसिना बहाइल फरक क्षमता रहल जानुका नेपाल ओ हेमा घिमिरे फेन अब्बे सेवा-सुविधाके माग लेके आन्दोलनमे बटै । वर्षौसे कम्पनीके उत्पादनमे योगदान करटि आइल

उहाँहुके अपन डेहल श्रमअनुसार पाइपरना अधिकार ओ सुविधा सुनिश्चित हुइपरना माग करले बटै ।

श्रमिक मुकुन्द अर्यालके अनुसार न्यूनतम पारिश्रमिकसम्बन्धी कुछ विषय कार्यान्वयन हुइलेसे फेन सामाजिक सुरक्षा, सञ्चय कोष, उपदान, बिरामी तथा प्रसूति बिदा, चाडपर्व भत्तालगायत विषय बाँकी बा ।

कालोपट्टीसे धर्नासम

माग सम्बोधन नैहुइलपाछे श्रमिक आन्दोलनके चरण बढैटि बटै । भदौ २४ गतेसे कालोपट्टी बाँधके विरोध सुरु करल उहाँहुकेनके माग पूरा नैहुइलओरसे असोज ५ गतेसे श्रमिक धर्नामे रहल अर्याल जानकारी डेलै ।

अर्यालके अनुसार आन्दोलन सुरु करनाआधे कम्पनी व्यवस्थापनहे माग पूरा करना पत्रसमेत डेहल जनैलै । प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद्के कार्यालय, सम्बन्धित मन्त्रालय ओ श्रम तथा रोजगार कार्यालयहे समेत विषयबारे जानकारी कराइल अर्याल बटैलै । आन्दोलनमे करिब ३० से ३२ जाने मासिक ज्यालादारी श्रमिक अधिकांश महिला बटै । टमानजे लम्मा समयसे कम्पनीमे काम करटि आइल बटैले बटै ।

च्याउ खेतीके...

करिब तीन वर्ष जापान बैठल सन् २०११ मे स्वदेश फर्कल कमला घरमे गाईभैंसी, बाख्रा, बंगुरपालन करटिकरटि २०७४ से व्यावसायिक च्याउ, कुरिलो तथा तरकारी खेती सुरु करले रहै । चार वर्षसे परदेश छोरेके श्रीमान् रमेश भलामी फेन घरमे हुइल ओरसे दुनु जाने जोरल च्याउ व्यावसाय फस्टाइल रहे ।

सरकारसे सहूलियत कर्जा ओ बिमा करल च्याउसे आम्दानी फेन मजा रहल बा । दसैतिहारबाहेक च्याउके उत्पादन ओ कारोबार रहठ । सरदरमे दैनिक एक लाख रुपियाँके च्याउ बिक्री हुइटि बा । महिनेपिच्छे १२ से १५ हजार बलमे च्याउ उत्पादन हुइठ । तीन ठाउँमे कैके ११० टनेल बा । भलामी अभिनसम एक करोडसे ढेरके लगानी च्याउमे हुइल बटैलै ।

अजोड इन्स्योरेन्स लिमिटेड तम्घास शाखा प्रमुख सन्तोष न्यौपाने च्याउके लागत बिमा हुइलेसे फेन बिमालेखके सर्त फर्भटहा रहल कारण समस्या हुइल बटैलै । उहाँ प्रक्रिया पूरा करना, सर्त पालना करना ओ भुक्तानीके लाग काम करना सब किसान सक्षम नैहरल बटैलै ।

अन्तराष्ट्रिय

इराकसे अमेरिकी सेना फिर्ता



काठमाडौं, १७ कुँवार । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इराकमे इस्लामिक स्टेट (आइएसआइएस) विरुद्धके सैन्य अभियान पूरा हुइल दाबी करटि वहाँसे अमेरिकी सेना फिर्ता हुइल घोषणा करले बटै । उहाँ अमेरिकी सेना फिर्ताहे संयुक्त राज्य अमेरिका ओ इराक दुनुके विजयके रूपमे चित्रण करले बटै ।

ट्रम्प अपन 'ट्रथ सोसल' प्लेटफर्मफाँट इराकसे अमेरिकी सेना फिर्ता हुइल घोषणा करले बटै । उहाँके अनुसार आइएसआइएसहे परास्त करना अमेरिकी सेनाके मिसन पूरा हुइलपाछे 'अपरेसन इनहेरन्ट रिजोल्व' अन्त्य करल हो । उहाँ इराकसे अमेरिका लौटना निर्णयहे अपन पहिल कार्यकालमे सुरु करल अभियानके निष्कर्षके रूपमे प्रस्तुत करले बटै ।

ट्रम्प अपन पहिल प्रशासनके क्रममे आइएसआइएसहे पूर्णरूपमे परास्त करल दाबी करटि ओकर लाग आवश्यक सैन्य उपकरण उपलब्ध करैनाके साथे अमेरिकी सेनाके अस्थायी उपस्थिति स्थायी

बने नैडेना स्पष्ट नीति लेहल बटैलै । ट्रम्प इराकमे अमेरिकी सेना करल वा स्वदेश लौटैना मध्ये एक विकल्प रोजेपरना अवस्था आइल उल्लेख करटि आब अमेरिकी सेना घर आइना समय हुइल निष्कर्षमे पुगल बटैलै ।

उहाँ इराकमे नयाँ प्रधानमन्त्रीके नेतृत्वमे नयाँ अवस्था सिर्जना हुइल उल्लेख करटि अपन सुरुसे उहाँहे समर्थन करल ओ अब्बे फेन पूर्ण समर्थन रहल बटैलै । यीआधे अमेरिकी सेन्ट्रल कमान्ड (सेन्ट्रल) इराकमे 'अपरेसन इनहेरन्ट रिजोल्व' अन्तर्गतके मिसन अन्त्य हुइल घोषणा करले रहै । सेन्ट्रलके अनुसार इराकके इरबिल एयर बेससे अमेरिकी सेना तथा सैन्य उपकरण फिर्ता करना काम व्यवस्थित रूपमे सम्पन्न हुइल बा । ट्रम्प अमेरिकी सेना फिर्ताहे आइएसआइएसउपपरके निर्णायक विजयसँग जोरटि संयुक्त राज्य अमेरिका ओ इराक दुनुके लाग उपलब्धिके रूपमे व्याख्या करले बटै ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

चीनओर अड्कल डसियाके सामान



काठमाडौं, १७ कुँवार । चीन जोड्ना प्रमुख तीन व्यापारिक नाका बन्द हुइलपाछे दसैलक्षित नन्न क्रममे रहल लत्ताकपडा, विद्युतीय सवारी सीमापार रुकल बा । पाछेक कुछ दिन निरन्तर परल वर्षाके कारण चीन जोरना एक किल विकल्प बनल मुस्ताङस्थित कोरला नाका फेन बन्द हुइलपाछे दसैल सामान चीनओर अड्कल हो ।

यीआधे भदौ १० गते रसुवाके भोटेकोशी नदीमे आइल बाढसे रसुवागढी नाका पूर्ण रूपमे बहाइलपाछे वहाँसे हुइना व्यापार ठप्प ओ अनिश्चित बा । चीनसे सामान आयातके लाग रसुवागढी पाछेक समय प्रमुख नाका बनल रहे ।

उ बाढके पाँच दिनपाछे अर्थात् भदौ १५ गते चीनसे एक सन्देश पठैटि तातोपानी जोड्ना अपनओरके नाकामे कागोँ जाँचपास रोकल जनाइल रहे । उहिनसे चीनसे सामान आयात करना औरै डगर फेन बन्द हुइ पुगल । उ नाका अभिनसम सञ्चालनमे आइ सेकल नैहो । यी दुनु नाका बन्द हुइलपाछे एक ठो किल विकल्प बनल कोरला नाका ओ वहाँसम पुग्न सडकमार्ग फेन वर्षाके कारण टमान ठाउँमे गैल पहिरोसे अवरुद्ध बनलपाछे चीनसे सोभे सामान नानल विकल्प अब्बेक लाग बन्द हुइल हो ।

कोरला नाकासे खास कैके विद्युतीय सवारी आयात हुइना करलमे

भोटेकोशी बाढपाछे लत्ताकपडालगायतके सामान फेन कोरलासे आयात हुइल रहे । उ नाका ओ वहाँ पुगना सडक फेन अवरुद्ध हुइलपाछे दसैल लाग नयाँ लत्ताकपडा अइना सम्भावना कम हुइल नेसनल बिजनेस ट्रेड सेन्टर (एनबिटिसी) के सञ्चालक गोपाल पंगेनी बटैलै । “दसैल लाग कहिके नानल लत्ताकपडाके धेर कन्टेनर अब्बे चिनओर बा,” उहाँ कलै, “अभिनसम दसैलके ढेरमे २५ प्रतिशत कपडा किल नेपाल आइल बा ।” एनबिटिसी खुद्रा तथा थोक लत्ताकपडाके चार सयसे ढेर पसल रहल व्यापारिक कम्प्लेक्स हो ।

व्यापारी यी चो दसैल पुरान 'स्टक' कपडा काम चलाइपरना अवस्था रहल बटैलै । सञ्चालक पंगेनीके अनुसार कन्टेनर अभावलगायत कारणसे कुछ दिनमे डगर सञ्चालनमे अडलेसे फेन दसैलके सब सामान अइना सम्भव नैरहल ओरसे पसलमे रहल पुरान 'स्टक' से व्यापार करेपरना अवस्था बा ।

“यी चो दसैल नयाँसे फेन कुछ महिनाआधे नानल कपडासे काम चलाइपरना अवस्था बा,” उहाँ कलै । नेपालमे कपडा मुख्य रूपमे चीनसे अइना हुइल ओरसे नाका बन्द होके व्यापारीहे समस्या बहलके उहाँक गुनासो बा ।

नेपालमे विद्युतीय सवारी नानके मुख्य नाका जस्टे बनल कोरला नाका

सामान्य अवस्थामे फर्कल कना आधारमे सरकारके कार्यसम्पादन मूल्यांकन हुइ परठ । पुनरुत्थानके नीति राहत वितरणमे किल केन्द्रित हुइ नैहुइठ । उत्पादन, रोजगारी, निजी लगानी, स्थानीय अर्थतन्त्र, सार्वजनिक वित्त ओ भविष्यके जोखिम व्यवस्थापनहे एक ढाँचामे समोटे परठ । विपत्तिपाछेक आर्थिक नीतिके मूल सूत्र यिहे हुइ परठ— राहतमे मानवीयता, पुनर्निर्माणमे विवेक, लगानीमे प्राथमिकता, वित्त व्यवस्थापनमे अनुशासन ओ भविष्यके विपत्तिसँग

बन्द हुइलपाछे गाडी आयातकर्ता फेन समस्या परल बटैलै । नेपालमे बिवाइडी ब्रान्डके चारपांगे सवारी बिक्री करना साइमेक्स इंकके राष्ट्रिय बिक्री प्रमुख आशुतोष गौतमके अनुसार बिवाइडीके कुछ गाडी भन्सार जाँचपास हुइलेसे फेन धेर गाडी चीनओर रोकल बा । बन्द हुइल नाका ओ सडकके समस्या समाधान नैहुइलेसे फेन गाडी नेपाल आइ सेक्लेसे दसैल समस्या परे सेक्ना उहाँक कहाइ बा । “छ/सात दिनमे सडक सञ्चालनमे आइ सेक्ना कना सुकल बटि,” उहाँ कलै, “टमान समय लगना अवस्था रलेसे पेन गाडी नन्ना समस्या रहठ ।” सवारी बिक्रेतासे दसैलक्षित व्यापार प्रवर्धनके कार्यक्रम सञ्चालन करना हुइल ओरसे यी समय धेर गाडी आयात करठै ।

ओस्टेक, नाका बन्दसे आयात ठप्प हुइलपाछे समस्यामे परल व्यापारीहे कन्टेनरके अभाव ओत्रे अफ्यारो बनल बा । रसुवाके बाढके कारण तीन सयसे ढेर कन्टेनर बहाइलपाछे चीनसे सामान नानल परिवहनके समस्या रहल एनबिटिसीके सञ्चालक पंगेनी बटैलै ।

“रसुवागढीमे आइल सामान कोरला पुगैना ओ कोरलासे काठमाडौं नन्ना कन्टेनरके अभाव होके सामान फेन ढिला अइना अवस्था बा,” उहाँ कलै, “औरैओर बाढके ढेर कन्टेनर चालकके समेत ज्यान गैल ओरसे चालकके अभाव फेन ओत्रे बा ।” चार गुणा ढेर कन्टेनर भाडा तिरके फेन कन्टेनर पैना अवस्था नैरहल उहाँ जानकारी डेलै ।

कोरला नाकामे सामान भण्डारणके लाग 'वेयर हाउस' के समेत अभाव रहल ओरसे कन्टेनरसे नानल सामान वहाँ कुछ समय ढैके काठमाडौं नन्ना अवस्था फेन नैरहल उहाँ बटैलै ।

जुध्न क्षमता । विपत्तिसे नेपालके भौतिक संरचनामे क्षति पुगैना फेन सोचमे क्षति पुगे डेहे नैपरठ । पुरान संरचना जसके टस उठैना कि और सुरक्षित, उत्पादनशील ओ दिगो अर्थतन्त्र निर्माण करना ? निर्णय करना समय यिहे हो । लोकप्रिय निर्णयसे तत्काल ताली पाइ सेकि । विवेकपूर्ण आर्थिक नीतिसे भर भविष्य निर्माण करठ । नेपालहे अब्बे ताली नाइकि, भविष्य चाहल बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

विपत्ति पाछेक...

राज्यसे स्रोत जुटैना हतारपरना अवस्था कम रहठ ।

आबके परीक्षा

विपत्तिपाछेक सरकारके सफलता कत्रा रकम बाँडि कना आधारमे किल मापन करे नैपरठ । कत्रा परिवार सुरक्षित रूपमे पुनर्स्थापित हुइल, कत्रा मनै रोजगारीमे अडलै, कत्रा उत्पादन पुनः सञ्चालन हुइल, कत्रा व्यापारिक मार्ग खुलल ओ अर्थतन्त्र कत्रा हलि

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्ख्ने, पेट दुस्ख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्ख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)

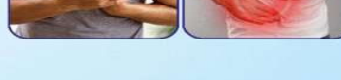


डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ७ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२९२७२७, ९७६९९३२९०५

पारम्परिक व्यापार जीवन जिना आधार

दाचुला, १७ कुँवार । चीनके ताक्लाकोटहे जोना सीमानाकाके रूपमे रहल दाचुलाके तिङ्कर भन्ज्याड नाकासे इ बरस ८० जाने नेपाली व्यापारी व्यापारके लाग तिब्बत स्वायत्त क्षेत्रके ताक्लाकोट (पुराड काउन्टी) गैल बटै । व्यापारीहुके वहाँ गुड, मिषी, सलाईके व्यापार कैटी आइल बटै । यहाँके व्यास गाउँपालिका-१, छाडरु ओ तिङ्करगाउँमे बसोबास कैटी आइल सौका समुदायके मनै परापूर्वकालसे पारम्परिक रूपमे ताक्लाकोटमे व्यापार करटी रहल बटै । गत आव २०८२/८३ कात्तिक अन्तिम साता बन्द हुइल तिङ्कर नाका इ बरस असार पहिल साता खुललपाछे व्यापारी ताक्लाकोट प्रवेश करल रहि ।

तिङ्कर नाका विगतमे जस्टे व्यापारिक-सांस्कृतिक सम्बन्धके नाकाके रूपमे स्थापित हुइल व्यास गाउँपालिका-१, छाडरुके स्थानीय, व्यापारी एवं नेपाल-चीन हिमालय मैत्री सञ्चालक केन्द्रीय सदस्य योगेश बोहोरा जानकारी देलै । ताक्लाकोट (पुराड काउन्टी) स्थित स्थानीय प्रशासनसे व्यापारीनके सहजताके लाग तिङ्कर नाका खोली आइल जनाइल बा । सेप्टेम्बर १४ से १७ सम्म पुराड काउन्टी ओ नेपालके सीमावर्ती जिल्लाके अधिकारीबिच हुइल सीमा बैठकमे सीमा सुरक्षा, विपत् व्यवस्थापन तथा दुई



देशबिच परम्परासे चल्ती आइल व्यापारिक ओ सांस्कृतिक गतिविधिहे निरन्तरता देना विषयमे सहमति हुइल बझाङके प्रमुख जिल्ला अधिकारी मुकेशकुमार केशरी बटैलै ।

सदियौसे यहाँके छाडरु ओ तिङ्कर गाउँके सौका समुदायके मनै हरेक बरस व्यापारके लाग ताक्लाकोट बजार जैना करटै । कोरोनाके समयमे लम्मा समय बन्द हुइल तिङ्कर नाका गत बरससे खुली आइल बा । तिङ्कर नाकाहे आधिकारिक नाकाके रूपमे विकसित करे पना यहाँके व्यवसायी सरकारसँग माग करले बटै । ताक्लाकोट बजारमे विगतसे व्यापार कैटी आइल छाडरुके स्थानीय विमल बोहोरा खाद्य सामग्री ओ लुगाकपडाके व्यापार कैना करल

बटैलै । ताक्लाकोटके व्यापारसे हुइल आमदानीसे जीविका चल्ती रहल उहाँके कहाइ रहल बा । उहाँके अनुसार यहाँके स्थानीयसे ताक्लाकोटमे ३२ पसल ओ चार होटेल सञ्चालन कैटी आइल बटै । दाचुलाके सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारी मोहनसिंह धामीके अनुसार इ बरस चीनके ताक्लाकोट जैना व्यास गाउँपालिकाके २१२ जाने तिब्बत प्रवेश अनुमतिपत्र लेले बटै ।

चीन आवागमन अनुमतिपत्र अब अध्यागमनसे

यहाँके नागरिकलाई चीन आवागमन अनुमतिपत्र उहीसे आघे जिल्ला प्रशासन कार्यालयसे जारी कैटी आइलमे अब अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय, तिङ्कर, दाचुलामार्फत

जारी कैना हुइल बा । चीनसँग सीमा जोरल जिल्लाके नेपाली नागरिकहे चीन आवागमन अनुमतिपत्र अध्यागमन कार्यालय नैरहल अवस्थामे जिल्ला प्रशासन कार्यालयसे जारी कैटी आइल रहे । नेपाल सरकारके नीति अनुसार आब अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालयमार्फत चीन आवागमन अनुमतिपत्र जारी कैना कार्यालयके निमित्त प्रमुख गोपालसिंह बोहोरा जानकारी देलै ।

उहाँ अध्यागमन विभागसे यहाँके अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालयहे चीन आवागमन अनुमतिपत्र जारी कैना बारे आधिकारिक जानकारी पठाइल स्पष्ट परले बटै । प्राप्त पत्र अनुसार आवागमन उपलब्ध करैना सम्बन्धी कार्यविधि, २०८१ के दफा ५ (१) अनुसार उहे कार्यविधिको दफा ३ बमोजिम योग्य व्यक्तिहे कार्यालयसे अनुमतिपत्र उपलब्ध करैना जिम्मेवारी तोकल बा । विगतमे अनुमतिपत्रके म्याद एक बरसके रहे । उहाँ कहलै, “आब जारी कैना अनुमतिपत्र ‘बायोमेट्रिक’ सहितके हुइना तथा पाँच बरसके लाग हुइना बा । आगामी आवसे अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालयमार्फत जारी कैना बा ।”

एक लाख ११ हजारहे जेईविरुद्धके खोप

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १७ कुँवार । जापानीज इन्सेफलाइटिस (जेई) के जोखिम बढलपाछे कैलालीमे सञ्चालन हुइटी रहल खोप अभियानअन्तर्गत हालसम एक लाख ११ हजार ७९० जाने खोप लगलै बटै ।

स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयअन्तर्गतके परिवार कल्याण महाशाखाके पाछक प्रतिवेदनअनुसार कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका, धनगढी उपमहानगरपालिका ओ लम्कीचुहा नगरपालिकामे अबहे जेईविरुद्धके खोप अभियान सञ्चालन हुइटी रहल बा । अभियानमे ३० बरस वा उहीसे उपरके व्यक्ति तथा स्वास्थ्यकर्मिहे लक्षित करल बा ।

नेपालमे सन् २०२६ मे हालसम एक हजार ३७२ जनहनमे एक्पुट इन्सेफलाइटिस सिन्ड्रोम (एईएस) देखल बा । उ मध्ये १३१ जनहनमे जापानीज इन्सेफलाइटिस पुष्टि हुइल परिवार कल्याण महाशाखा जनलै बा ।

श्रमसम्बन्धी विवाद समाधान गर्दै श्रम कार्यालय



बाँके, १७ कुँवार । श्रम कार्यालय नेपालगन्जसे श्रमसम्बन्धी कार्यालयमे दर्ता हुइल उजुरीहे समाधान करटी आघे बहल बा ।

श्रमिकके हक, अधिकार, पारिश्रमिक, श्रमसम्बन्धी विवाद तथा श्रम कानून कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित विषयमे उजुरी पर्ना करल श्रम कार्यालय नेपालगन्जके प्रमुख पिन्टुकुमार रजक जानकारी देलै ।

उहाँके अनुसार, गैल आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे कार्यालयमे पर श्रमसम्बन्धी ४० उजुरीमे ३० ठो उजुरी फछ्यौट हुइल बटै कलेसे बाँकी उजुरीउपर आवश्यक प्रक्रिया अधि बहटी रहल बा । श्रमसम्बन्धी विवाद समाधान तथा कानून कार्यान्वयनके लाग कार्यालयसे अपन क्षेत्राधिकारभरि रहिके आवश्यक कारबाही करटी आइल बा ।

गैल आर्थिक वर्षमे फछ्यौट हुई नैसकल हाल श्रम कार्यालय नेपालगन्जमे २१ मुद्दा दर्ता रहल बटै । उ मध्ये आधाजैसन मुद्दा फछ्यौट हुसकल ओ बाँकी उजुरीउपर आवश्यक प्रक्रिया आघे बहटी रहल कार्यालय प्रमुख रजक जानकारी देलै ।

कार्यालयसे श्रमसम्बन्धी विवाद समाधानके लाग गैल आर्थिक वर्षमे बाँकेसहित आपन कार्यक्षेत्रमे रहल ३०० स डेर प्रतिष्ठानके अनुगमन तथा निरीक्षण करले बा । विशेष करके श्रमिकहे कानूनसे तोकल न्यूनतम पारिश्रमिक उपलब्ध कराइल बा वा नैहो, बालश्रमके अवस्था, श्रम कानूनके पालना तथा श्रमिकके आधारभूत अधिकारके अवस्थाबारे कार्यालयसे नियमित अनुगमन करटी आइल कार्यालय प्रमुख रजक बटैलै ।

बाँके, बर्दिया, दाङ ओ पूर्वीरुकुम करके चार जिल्ला कार्यक्षेत्र रहल श्रम कार्यालय नेपालगन्जसे श्रम कानून कार्यान्वयन तथा श्रमिकके अधिकार

संरक्षणके लाग काम करटी रहल कार्यालय प्रमुख रजकके कहाई बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय नेपालगन्जसे तोकल समयभितर दर्ता नवीकरण नैकैना टमान १९ ठो प्रतिष्ठानस्तरके ट्रेड युनियनको दर्ता खारेजी करले बा । ट्रेड युनियन ऐन, २०४९ के दफा १७ तथा ट्रेड युनियन नियमावली, २०५० के नियम ९ बमोजिम म्यादभितर ओ थप दस्तुरसहित नवीकरण करे नैआइल १९ ठो प्रतिष्ठानस्तरके ट्रेड युनियनके दर्ता खारेजी हुइल श्रम तथा रोजगार कार्यालय नेपालगन्जके कार्यालय प्रमुख रजक जानकारी देलै ।

उहाँके अनुसार, शक्ति पोलिप्लेट प्रालि, जानकी गाउँपालिका-४ बाँके, लक्ष्मी प्लास्टिक प्रालि, नेपालगन्ज, बिन्दावासिनी सेक्युरिटी प्रालि नेपालगन्ज, राजलक्ष्मी ग्यास इण्डस्ट्रिज प्रालि नेपालगन्ज, मनकामना ग्यास उद्योग नेपालगन्ज, मनकामना फुटवेयर इण्डस्ट्रिज प्रालि नेपालगन्ज, ज्ञान फूड प्रोडक्ट्स प्रालि पार्वतीपुर, बाँकेमे रहल प्रतिष्ठानस्तरके ट्रेड युनियन खारेजीमे परल बटै ।

ओस्टेक करके नेपाल रिपब्लिक मिडिया प्रालि नेपालगन्ज, हलवल ग्रुप फाइभ सेक्युरिटी प्रालि कोहलपुर बाँके, केटीप ग्रुप प्रालि कोहलपुर बाँके, विदुषी विजि एण्ड सामाजिक प्रालि कोहलपुर बाँके, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय बेलभुण्डा दाङ, घोराही सिमेन्ट इण्डस्ट्रिज प्रालि घोराही दाङ, तुल्सीपुर यातायात प्रालि दाङ, ह्याप्पी हावर प्रालि नेपालगन्ज, होटल डायमण्ड प्यालेस प्रालि नेपालगन्ज, भेरी ग्यास उद्योग प्रालि नेपालगन्ज ओ कर्णाली डिस्टिलरी प्रालि खजुरा बाँकेमे रहल प्रतिष्ठानस्तरके ट्रेड युनियन खारेजीमे परल श्रम तथा रोजगार कार्यालय नेपालगन्जके कार्यालय प्रमुख रजक जानकारी देलै ।



पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, १७ कुँवार । टीकापुर नगरपालिकाके कार्यवाहक नगरप्रमुख रामबहादुर नगाजी आर्थिक बरस सुरु हुइल करिब साढे दुई महिनापाछे बजेट खर्चके अख्तियारी देले बटै ।

स्थानीय तहके बजेट खर्च कैना नगरप्रमुखसे प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतहे खर्चके अख्तियारी देहे पना व्यवस्था बा मने नगर सभा हुइल बखत अपने उपस्थित नैहुइल ओरसे पुनः नगर सभा हुइ पना तर्क कैटी आइल नगाजी अन्ततः खर्चके अख्तियारी देहल हुइल । कार्यपालिका सदस्यसे भदौ १७ गते खर्चके अख्तियारी दिन लिखित निर्णय करलेसे फेन नगाजी नैमानल रहि । बजेट अख्तियारी नैदेहेबर दैनिक कार्यालय सञ्चालन, कर्मचारी तलब, सामाजिक सुरक्षालगायतके खर्च हुइ सेकल नैरहे ।

कुछ दिन आघे सर्वदलीय भेलासे बजेट खर्चके अख्तियारी देना वा काम नैकैना रलेसे राजीनामा माग करल रहि कलेसे सोम्मारके दिवा खाजाके रकम फेन भुक्तानी नैहुइल कहटी नगरके विद्यालयके प्रधानाध्यापकसे अक्केसाथ नगरपालिकामे धना ओ कार्यपालिका सदस्यहे दबाव देहल रहि ।

ओस्टके टीकापुर नगरपालिकाके युवा दबाव देहलपाछे कार्यवाहक प्रमुख अख्तियारी पत्र लिखके देहल हुइल । राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीका टीकापुर नगर सभापति रवीन्द्र विष्ट व्यापक जनदबावपाछे बजेटके अख्तियारीमे हस्ताक्षर हुइल प्रतिक्रिया देले बटै । कार्यवाहक प्रमुख नगाजी आपन माग नगर सभा रलेसे फेन जनताके समस्या देखके अख्तियारी देहल बटैलै । प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

ममता बाँस्तोला बजेट अख्तियारी आइलपाछे ढिरेसे सामाजिक सुरक्षा भत्ता, शिक्षक कर्मचारीके तलब भत्ता भुक्तानी देना काम सुरु कैना ओ डसैअगही खर्च प्रणाली नियमित हुइना बटैलै ।

टीकापुर नगरपालिकामे नगरप्रमुख ओ उपप्रमुख दुनु पद खाली हुइलपाछे विसं २०८२ फागुनमे कार्यवाहक नगरप्रमुख चुनल नगाजीहे २०८३ जेठ १४ गतेके कार्यपालिका बैठकसे पदसे हटाके बलिराम चौधरीहे नयाँ कार्यवाहक नगरप्रमुख चुनल रहे ।

उ निर्णयविरुद्ध नगाजी अदालत गैलपाछे सर्वोच्चसे अल्पकालीन अन्तरिम आदेश जारी कैटी टीकापुर नगर कार्यपालिकाके जेठ १४ गतेके निर्णय तत्काल कार्यान्वयन नैकैना रोक लगाइल बा । यकर सुनुवाइ आगामी माघमे हुइना बा ।

कार्यपालिकाके बहुमत सदस्यसे नगाजीहे हटासेकल मने अदालतसे औरै कार्यवाहक प्रमुख चुन्ना कार्यपालिकाके निर्णय कार्यान्वयन नैकैना कहलपाछे असार १७ गते सभाके ज्येष्ठ सदस्य जयराम थारुके अध्यक्षतामे नगर सभा होके आर्थिक बरस २०८३/८४ के वार्षिक नीति कार्यक्रम ओ एक अर्ब तीन करोडके बजेट पारित करल रहे ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ । कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

डॉ. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू :

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजी रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डाक्टर आउने समय : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकूलन एम्बुलेन्स, वातानुकूलन क्याबिन ।

२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) न्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठोपुटी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठोपुटी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, किडनीको अप्रेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड/जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हाटखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हाटखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-४२४५५४, ४२४६५४, ४२९२४९